

## आदेश

दाखिल-खारिज वाद अपील वाद भूमि सुधार उप समाहर्ता के न्यायालय में उच्चरी गण्डेय द्वारा 11-6-99 को पारित आदेश के विरुद्ध दायर किया गया । उक्त वाद में भूमि सुधार उप समाहर्ता ने अपीलार्थी के तथ्यों को सुनने के अलावा अपील वाद को अंगिकृत किया गया । विभिन्न तिथियों को दोनों पक्षों को सूचना दी गई । अभिलेख में अंचल अधिकारी द्वारा पारित दाखिल-खारिज वाद सं० 457/99-2000 मरियम बीबी पति केहर मियां मौजा करीवांक थाना गण्डेय की प्रतिलिपि संलग्न है ।

इस वाद में दोनों पक्षों को नोटिस दिया गया । विभिन्न तिथियों को दोनों पक्षों द्वारा हाजिरी दी गई । इस वाद में अपीलार्थी को बार-बार सूचना दिये जाने के बाद भी हाजिर नहीं हुए जबकि प्रतिपक्षी की तरफ से मरियम बीबी द्वारा बकालतन हाजिरी दी गई । इस वाद में प्रतिपक्षी के वकील ने बहस में कहा कि मौजा करीवांक थाना सं० 456 खाता नं० 10 प्लॉट नं० 67 रकबा 62 डी० भूमि गनौरी मियां और वासो मियां पिता स्व० अलवदी मिया, वो वसो मियां ने श्रीमती बुन्दिया देवी से बजरिये केवला सं० 6 6099 दिनांक 29-5-58 को प्राप्त किया था । उक्त खाता प्लॉट में प्लॉट नं० 67 रकबा 62 डी० जिसमें गनौरी मियां एवं वासो को 31-31 डी० भूमि हिस्से में मिला बाद में अपने जीवनकाल में ही गनौरी मियां ने अपनी पुत्र वहु मरियम बीबी के नाम से अपने हिस्से को 31 डी० भूमि वसियतनामा लिख दिया । मरियम वसियत प्राप्त करने के बाद 31 डी० भूमि पर देखलवार हुई जिसपर मकान बनाकर परिवार सहित रहती है शेष पर चहारटिवारी दिया हुआ है । प्रतिपक्षी के वकील ने कहा कि वसियत के आधार पर अंचल अधिकारी गण्डेय ने मौजा करीवांक के खाता नं० 10 प्लॉट नं० 67 का दाखिल खारिज कर दिया जो सही है । चूंकि गनौरी मियां की खरीदगी भूमि है ।

अपीलार्थी के वकील ने कहा है कि गनौरी मियां के दूसरे पुत्र रतवारी मियां ने उक्त खाता प्लॉट को 15 डी० भूमि जुलेखा खातुन एवं कुरेशा खातुन के नाम बिक्री कर दिया । अपीलार्थी मो० मियां ने जुलेखा खातुन के शौहर की वसियत से मामला दायर किया ।

प्रतिपक्षी का अपील है कि उपरोक्त जमीन गनौरी मियां की खरीदगी जमीन थी इसीलिए गनौरी मियां के पुत्र रतवारी मियां को प्रसंगत विवादग्रस्त भूमि पर ने कोई हक है न था । चूंकि गनौरी मियां ने अपने जीवनकाल में ही प्रसंगत 31 डी० भूमि मरियम बीबी को वसियत कर चुके थे । इसलिए वाद में गनौरी मियां के पुत्र रतवारी मियां को मुश्किल

... .. में ... .. है । प्रतिपक्षी ने कहा कि

23/4/02

23/4/02

76

सत्तारी मियां द्वारा गलत तरीके से दस्तावेज की कई भूमि का निर्बंधित संख्या 2053 दिनांक 24-10-98 को सुरता खातून पति लताम, समसुद्रीन मियां एवं जुलेखा खातून पति महमूद मियां को लिखी किया गया जो गलत है। अंचल अधि-कारी ने आंधोपरान्त मरियम बीबी के नाम से उक्त खाता नं० 10 प्लॉट नं० 67 रकबा 31 डी० भूमि का दाखिल-खारिज स्वीकृत कर लगान रसीद निर्गत किया है, वह सही है। इस प्रकार अंचल अधिकारी, गाण्डेय को आदेश को वरकरार रखते हुए अपीलार्थी के आवेदन को अस्वीकृत किया जाता है।

लेखापित एवं सत्यापित

भूमि सुधार उप समाहर्ता,  
गिरिडीह।

23/11/2002  
भूमि सुधार उप समाहर्ता,  
गिरिडीह।